क्लाइमेट एक्शन एंड फाइनेंस मोबलिाइज़ेशन डायलॉग

प्रलिमि्स के लयि

क्लाइमेट एक्शन एंड फाइनेंस मोबलिाइज़ेशन डायलॉग, पेरसि समझौता

मेन्स के लयि

'भारत-अमेरिका जलवायु और स्वच्छ ऊर्जा एजेंडा-2030' के तहत लॉन्च की गई पहलों का महत्त्व तथा भारत के लयि अवसर

चर्चा में क्यों?

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपत‍ि के विशिष दूत (जलवायु) ने भारत के केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परविर्तन मंत्री के साथ दोनों देशों के बीच 'क्लाइमेट एक्शन एंड फाइनेंस मोबलिाइज़ेशन डायलॉग' (CAFMD) शुरू कयिा है।

- यद्यप‍ि भारत ने अब तक 'नेट ज़ीरो' लक्ष्य हेतु प्रतबिद्धता नहीं ज़ाहरि की है, कति‍ु भारत सदी के अंत तक वैश्वकि तापमान को 2 डगि्री सेल्सयिस से नीचे रखने हेतु अपनी प्रतबिद्धता की दशिा में काम कर रहा है।

प्रमुख बदि‍ु

- **क्लाइमेट एक्शन एंड फाइनेंस मोबलिाइज़ेशन डायलॉग'**
  - यह अप्रैल 2021 में 'लीडर्स समटि ऑन क्लाइमेट' में लॉन्च कयि गए 'भारत-अमेरिका जलवायु और स्वच्छ ऊर्जा एजेंडा-2030' साझेदारी का हस्सिा है।
    - इससे पूर्व 'यूएस-इंडयिा स्ट्रेटेजकि क्लीन एनर्जी पार्टनरशपि' (SCEP) को लॉन्च कयिा गया था।
  - यह दोनों देशों को जलवायु परविर्तन के क्षेत्र में सहयोग को नवीनीकृत करने के साथ ही इससे संबंधति वति्तीय पहलुओं को संबोधति करने और पेरसि समझौते के तहत परकिल्पति अनुदान एवं रयिायती वति्त के रूप में जलवायु वति्त प्रदान करने का अवसर देगा।
  - साथ ही यह प्रदर्शति करने में भी मदद करेगा क‍ि किस‍ि प्रकार दुनयिा राष्ट्रीय परस्थितियिों और सतत् वकिास प्राथमकिताओं को ध्यान में रखते हुए समावेशी एवं लचीले आर्थकि वकिास के साथ तेज़ी से जलवायु कार्रवाई को संरेखति कर सकती है।
- **CAFM के स्तंभ:**
  - **जलवायु कार्रवाई स्तंभ:**
  - अगले दशक में उत्सर्जन को कम करने के तरीकों को देखते हुए इसमें संयुक्त प्रस्ताव होंगे।
  - **वति्त स्तंभ:**
  - इसके माध्यम से अमेरिका भारत में 450 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को लागू करने तथा पूंजी को आकर्षति करने और सक्षम वातावरण को बढ़ाने में सहयोग करेगा एवं नवीन स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगकियिों का प्रदर्शन तथा द्वपिक्षीय स्वच्छ ऊर्जा नविेश व व्यापार को बढ़ावा देगा।
  - **अनुकूलन और लचीलापन:**
  - दोनों देश जलवायु जोखमिों को मापने और प्रबंधति करने के लयि क्षमता नरि्माण में सहयोग करेंगे।
- **भारत के लयि अवसर:**
  - ऊर्जा संक्रमण (Energy Transition) में नविेश करने हेतु कभी भी बेहतर समय नहीं रहा। अक्षय ऊर्जा पहले से कहीं ज़्यादा सस्ती है।
  - वास्तव में वशि्व में कहीं और की तुलना में भारत में सोलर फार्म बनाना सस्ता है।
  - वैश्वकि स्तर पर नविेशक अब स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रहे हैं और महामारी के सबसे बुरे दौर के बाद ऊर्जा संक्रमण पहले से नकारात्मक रूप से प्रभावति हो रहा है तथा अब एक वर्ष में नविेश कयि गए 8.4 बलियिन अमेरिकी डॉलर के महामारी पूर्व की स्थति‍ि के रकिॉर्ड को तोड़ने

के लिये तैयार है।

- [अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी](#) का अनुमान है कि यदि भारत स्वच्छ ऊर्जा के अवसर का लाभ उठाता है, तो यह बैटरी और सौर पैनलों हेतु विश्व का सबसे बड़ा बाज़ार बन सकता है।

- वर्तमान में भारत की स्थापित बिजली क्षमता वर्ष 2021-22 तक 476 GW होने का अनुमान है जिसके वर्ष 2030 तक कम-से-कम 817 GW तक बढ़ने की उम्मीद है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/climate-action-and-finance-mobilisation-dialogue-india-us